

प्राणों के प्यारे जीय के जियारे
सो ओ मेरे लाड़िले नन्द के दुलारे॥

आओ मेरे लालन कूं नींद नवेली
तोहि बुलावे श्याम सुन्दर सहेली
निज गोदि में सुलाओ मेरे नयननि के तारे॥

दूध फैन से भी सेज सुन्दर है तेरी
सुखनि समोई आवे नींद रस घेरी
जुग जुग जियो मेरे आंगन उजियारे॥

मेरी नेह निधि सुख निधि मेरा लाल
मेरी आशा सुरतरु मदन गोपाल
मेरी पुण्य वलिड़ी के फल सुकुमारे॥

लाल तेरे जन्म से है जन्म धन्य मेरा
कोटि चन्द्र से भी प्यारा चन्द्र मुख तेरा
अमर पद से भी ऊंचे भाग्य हैं हमारे॥

दशन दमक तेरी मोतियुनि की लड़ी है
मृदु मुस्कान तेरी अमृत की झड़ी है
जीवन के सार मीठे बोल हैं तुम्हारे॥

मीठी नींद कर जागे लाड़िले कन्हाई

नैननि में आलस और मुख में जम्हाई
नई झांकी देखि माय तनम न वारे॥

मैया के वचन सुनि हर्षे कन्हाई
मृदु मुस्कान मुख शोभ्या सुखदाई
गरीबि श्री खण्डि देखि बोले जयकारे॥